व्यष्टि अर्थशास्त्र
एक परिचय

कक्षा 12 के लिए अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक

© NCERT
not to be republished

12104

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण
अप्रैल 2007 चैत्र 1929

पुनर्मुद्रण
अक्तूबर 2007 आश्विन 1929
फ़रवरी 2009 फाल्गुन 1930
जनवरी 2010 पौष 1930
जनवरी 2011 पौष 1932
दिसंबर 2012 अग्रहायण 1934
फ़रवरी 2014 माघ 1935
दिसंबर 2015 पौष 1937
फ़रवरी 2017 माघ 1938
फ़रवरी 2018 माघ 1939
दिसंबर 2018 अग्रहायण 1940
जनवरी 2019 पौष 1940
नवंबर 2019 कार्तिक 1941
जनवरी 2021 पौष 1942

PD 44T RPS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2007

₹ ....

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा .... द्वारा मुद्रित।

ISBN 81-7450-713-2

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III स्टेज
बेंगलुरु 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
गुवाहाटी 781021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*अनूप कुमार राजपूत*
मुख्य संपादक	:	*श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	*अरुण चितकारा*
मुख्य व्यापार प्रबंधक (प्रभारी)	:	*विपिन दिवान*
सहायक संपादक	:	*गोबिंद राम*
उत्पादन सहायक	:	....

आवरण, सज्जा एवं चित्रांकन
निधि वधवा

कार्टोग्राफ़ी
इरफ़ान

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का कितना अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है जितना वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव उत्पन्न करने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और सार्थक बनाने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समूह के अध्यक्ष हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर* और अर्थशास्त्र पाठ्यपुस्तक समिति के मुख्य सलाहकार तापस मजूमदार, *प्रोफ़ेसर* की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के

© NCERT not to be republished

विकास में कई शिक्षकों ने योगदान दिया; इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा मृणाल मीरी, *प्रोफ़ेसर* एवं जी. पी. देशपांडे, *प्रोफ़ेसर* की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनीटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी, जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

नयी दिल्ली
20 नवंबर 2006

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर,* इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता

मुख्य सलाहकार

तापस मजूमदार, *एमेरिटस प्रोफ़ेसर,* जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सलाहकार

सतीश जैन, *प्रोफ़ेसर,* आर्थिक नियोजन तथा अध्ययन संस्थान, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सदस्य

हरीश धवन, *लेक्चरर,* रामलाल आनंद कॉलेज (सांध्य), नयी दिल्ली

पापिया घोष, *शोध छात्रा,* दिल्ली स्कूल ऑफ इॅकोनोमिक्स, नयी दिल्ली

राजेंद्र प्रसाद कुंडु, *लेक्चरर,* अर्थशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता

सुगातो दास गुप्ता, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर,* सी.ई.एस.पी., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नयी दिल्ली

तापसिक बनर्जी, *शोध छात्र,* आर्थिक नियोजन एवं अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सदस्य समन्वयक

जया सिंह, *लेक्चरर,* अर्थशास्त्र, डी.ई.एस.एस.एच., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए शिक्षाविदों तथा विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करती है। हम जलजीत सिंह, *रीडर,* अर्थशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं। हम अपने सहकर्मियों– नीरजा रश्मि, *रीडर,* पाठ्यचर्या समूह; एम.बी. श्रीनिवासन, असीता रविंद्रन, प्रतिमा कुमारी, लेक्चरर, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग का उनके द्वारा प्रदत्त सामग्री तथा सुझाव के लिए उन्हें भी धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

हम स्व. दीपक बैनर्जी, *प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत) प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता को उनके बेशकीमती सुझावों के लिए सदैव स्मरण रखेंगे। अगर उनका स्वास्थ्य साथ देता, तो हम उनके अनुभवों से और भी लाभान्वित होते।

विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों ने हर प्रकार से सहयोग प्रदान किया। परिषद् ए.के. सिंह, *पी.जी.टी.* (अर्थशास्त्र), वाराणसी, उत्तर प्रदेश; अंबिका गुलाटी, *अध्यक्ष,* अर्थशास्त्र विभाग, संस्कृत विद्यालय; बी.सी. ठाकुर, *पी.जी.टी.* (अर्थशास्त्र), राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, सूरजमल विहार; रीतू गुप्ता, *प्राचार्य,* स्नेह इंटरनेशनल स्कूल; शोभना नायर, *पी.जी.टी.* (अर्थशास्त्र), मदर इंटरनेशनल स्कूल; रश्मि शर्मा, *पी.जी.टी.* (अर्थशास्त्र), केंद्रीय विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय कैंपस के प्रति आभार व्यक्त करती है।

हम इनके प्रति भी आभारी हैं: शालिनी सिंह *शोध छात्रा,* जे.एन.यू., डी.डी. नौटियाल, *पूर्व सचिव* एवं *भाषाविद,* वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग; रामतप पांडेय, *पूर्व सहायक निदेशक,* वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग; ओ.पी. अग्रवाल, *प्रोफ़ेसर* (अवकाशप्राप्त), मेरठ विश्वविद्यालय; एच.के. गुप्ता, बाबूराम सर्वोदय बाल विद्यालय, शाहदरा, दिल्ली; रमेश चंद्रा, *रीडर* (सेवानिवृत्त), एन.सी.ई.आर.टी., प्रमोद कुमार झा, *अनुवादक।*

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए हम सविता सिन्हा, *प्रोफ़ेसर* एवं *विभागाध्यक्ष,* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमें हर संभव सहयोग दिया।

पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए *प्रभारी कंप्यूटर कक्ष,* दिनेश कुमार; *कॉपी एडिटर,* विनय शंकर पांडेय एवं सतीश झा तथा *प्रूफ रीडर,* शहज़ाद हुसैन एवं बबीता झा, के भी हम आभारी हैं। प्रकाशन विभाग द्वारा हमें पूर्ण सहयोग एवं सुविधाएँ प्राप्त हुईं, इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं।

इस पाठ्पुस्तक की समीक्षा ओ.पी. अग्रवाल, *प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत्त); हरीश धवन, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर,* मिरांडा हाउस; शालिनी सक्सेना, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर,* डी.सी.ए.सी. एवं भारत गर्ग, *सहायक प्रोफ़ेसर,* श्याम लाल कॉलेज, विशेषज्ञों द्वारा की गई है। इनके योगदान को विधिवत स्वीकार किया गया।

परिषद तम्पाक्म्यूम अलन मुस्तफ़ा, *जे.पी.एफ़.;* अयाज़ अहमद अंसारी, मुक़द्दस आज़म, अमजद हुसैन, और फरहीन फातिमा, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* का भी आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने इस पुस्तक को आकार देने में योगदान दिया है।

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

आमुख iii

1. परिचय

1.1 सामान्य अर्थव्यवस्था 1
1.2 अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएँ 3
1.3 आर्थिक क्रियाकलापों का आयोजन 5
  1.3.1 केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था 5
  1.3.2 बाज़ार अर्थव्यवस्था 6
1.4 सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र 7
1.5 व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र 7
1.6 पुस्तक की योजना 8

2. उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धांत

2.1 उपयोगिता 9
  2.1.1 गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण 10
  2.1.2 क्रमवाचक उपयोगिता विश्लेषण 12
2.2 उपभोक्ता का बजट 16
  2.2.1 बजट सेट एवं बजट रेखा 16
  2.2.2 बजट सेट में बदलाव 19
2.3 उपभोक्ता का इष्टतम चयन 20
2.4 माँग 22
  2.4.1 माँग वक्र तथा माँग का नियम 23
  2.4.2 अनधिमान वक्रों तथा बजट बाध्यताओं से माँग वक्र की व्युत्पत्ति 25
  2.4.3 सामान्य तथा निम्नस्तरीय वस्तुएँ 26
  2.4.4 स्थानापन्न तथा पूरक 27
  2.4.5 माँग वक्र में शिफ्ट 27
  2.4.6 माँग वक्र की दिशा में गति और माँग वक्र में शिफ्ट 28
2.5 बाज़ार माँग 29
2.6 माँग की लोच 30
  2.6.1 रैखिक माँग वक्र की दिशा में लोच 32
  2.6.2 किसी वस्तु के लिए माँग की कीमत लोच को निर्धारित करने वाले कारक .. 34
  2.6.3 लोच तथा व्यय 34

3. उत्पादन तथा लागत

3.1 उत्पादन फलन 42
3.2 अल्पकाल तथा दीर्घकाल 44

© NCERT not to be republished

3.3 कुल उत्पाद, औसत उत्पाद तथा सीमांत उत्पाद 44
3.3.1 कुल उत्पाद 44
3.3.2 औसत उत्पाद 45
3.3.3 सीमांत उत्पाद 45
3.4 ह्रासमान सीमांत उत्पाद नियम तथा परिवर्ती अनुपात नियम 46
3.5 कुल उत्पाद, सीमांत उत्पाद तथा औसत उत्पाद वक्र की आकृतियाँ 47
3.6 पैमाने का प्रतिफल 48
3.7 लागत 49
3.7.1 अल्पकालीन लागत 49
3.7.2 दीर्घकालीन लागत 56

4. पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्धांत

4.1 पूर्ण प्रतिस्पर्धा: पारिभाषिक लक्षण 61
4.2 संप्राप्ति 62
4.3 लाभ अधिकतमीकरण 65
4.3.1 स्थिति 1 65
4.3.2 स्थिति 2 66
4.3.3 स्थिति 3 66
4.3.4 लाभ अधिकतमीकरण समस्या: आरेख द्वारा प्रदर्शन 68
4.4 एक फर्म का पूर्ति वक्र 68
4.4.1 एक फर्म का अल्पकालीन पूर्ति वक्र 69
4.4.2 एक फर्म का दीर्घकालीन पूर्ति वक्र 70
4.4.3 उत्पादन बंदी बिंदु 71
4.4.4 सामान्य लाभ तथा लाभ-अलाभ बिंदु 71
4.5 फर्म के पूर्ति वक्र के निर्धारक तत्व 72
4.5.1 प्रौद्योगिकीय प्रगति 72
4.5.2 आगत कीमतें 72
4.6 बाज़ार पूर्ति वक्र 73
4.7 पूर्ति की कीमत लोच 75

5. बाज़ार संतुलन

5.1 संतुलन, अधिमाँग, अधिपूर्ति 81
5.1.1 बाज़ार संतुलन: फर्मों की स्थिर संख्या 82
5.1.2 बाज़ार संतुलन: निर्बाध प्रवेश तथा बहिर्गमन 91
5.2 अनुप्रयोग 94
5.2.1 उच्चतम निर्धारित कीमत 95
5.2.2 निम्नतम निर्धारित कीमत 96

6. प्रतिस्पर्धारहित बाज़ार

6.1 वस्तु बाज़ार में सामान्य एकाधिकार 101
6.1.1 बाज़ार माँग वक्र औसत संप्राप्ति वक्र है 102
6.1.2 कुल, औसत तथा सीमांत संप्राप्तियाँ 105
6.1.3 सीमांत संप्राप्ति और माँग की कीमत लोच 106
6.1.4 एकाधिकारी फर्म का अल्पकालीन संतुलन 107
6.2 अन्य पूर्ण प्रतिस्पर्धारहित बाज़ार 112
6.2.1 एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा 112
6.2.2 अल्पाधिकार में फर्म कैसे व्यवहार करती हैं 113

शब्दावली 117

© NCERT not to be republished